# कोयल का घोंसला

एक कोयल ने पेड़ पर घोंसला बनाया। एक दिन उसने देखा कि घोंसले में एक कौआ आकर बैठ गया है। यह देखकर वह परेशान हो गई और अपने दोस्त कबूतर के पास पहुँची। दोनों ने मिलकर एक तरकीब सोची। वे दोनों घोंसले के पास वाली डाली पर बैठ गए और बातें करने लगे। कोयल बोली– ''आज खरगोश के यहाँ दावत में तो मज़ा ही आ गया। मैंने मन भरकर खाना खाया।''

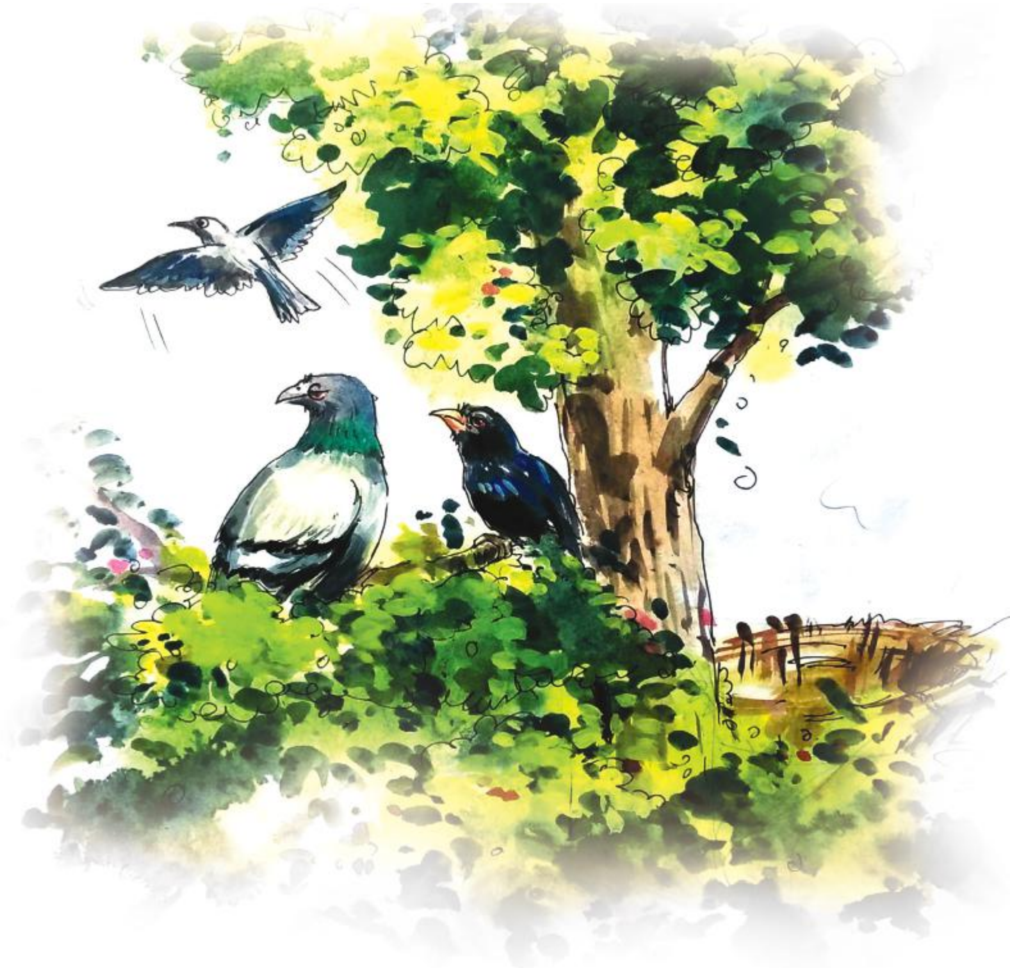

कबूतर बोला– ‘‘हाँ, बहुत ही स्वादिष्ट भोजन था। मैंने बड़े दिनों बाद इतना सारा खाना खाया।’’ कोयल बोली– ‘‘मुझे फिर से वह स्वादिष्ट हलवा खाने का मन कर रहा है।’’ कौआ उनकी बातें ध्यान से सुन रहा था। वह बोला– ‘‘मुझे पता है तुम मुझे भगाने के लिए झूठ बोल रहे हो। मैं तो बस आराम करने के लिए बैठा था और अब जा रहा हूँ।’’ यह कहकर, कौआ उड़ गया।

L L F Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

Designed by www.stelladesignandprint.com